सोन नदी

[राष्ट्रीय हरित अधिकरण](#) (National Green Tribunal- NGT) ने उत्तर प्रदेश के सोनभद्र ज़िले में सोन नदी के तल में सभी खनन गतिविधियों को रोकने का निर्देश जारी किया है।

- यह निर्देश **अवैध खनन को उजागर करता है, साथ ही खनन कंपनियों पर पर्यावरणीय मुआवज़ा लगाता है।**

सोन नदी:

- **परिचय:**
  - सोन नदी, जिसे **सोने नदी (Sone River) के नाम से भी जाना जाता है, एक बारहमासी नदी है जो मध्य भारत से होकर प्रवाहित होती है।**
  - सोन नदी **[यमुना नदी](#) के बाद [गंगा नदी](#) की दूसरी सबसे बड़ी दक्षिणी (दाहिनी तट) सहायक नदी है।**
- **भौगोलिक अवस्थिति:**
  - यह छत्तीसगढ़ के **गौरेला-पेंड्रा-मरवाही ज़िले में अमरकंटक पहाड़ी के समीप से निकलती है और अंत में बिहार में पटना के समीप गंगा नदी** में मिल जाती है।
    - **सोन अमरकंटक पठार के किनारे जलप्रपात की शृंखला** का निर्माण करती है।
  - यह चार राज्यों से होकर प्रवाहित होती है: **छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार।**

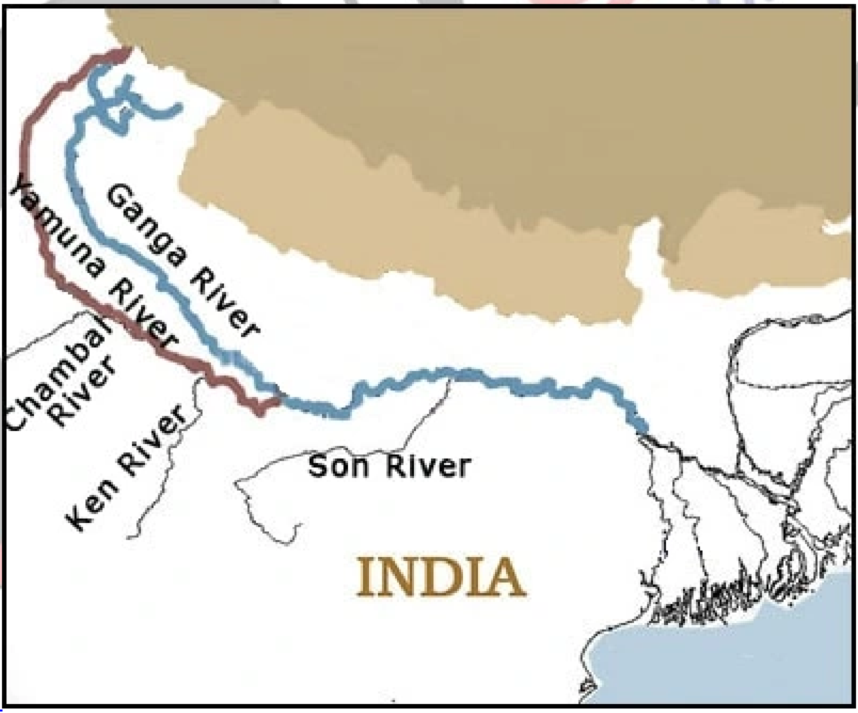

[//](#)

- **सहायक नदियाँ:**
  - घग्घर, जोहिल्ला, छोटी महानदी, बनास, गोपद, रिहंद, कनहर और उत्तरी कोयल नदी।
- **प्रमुख बाँध और जलविद्युत परियोजनाएँ:**
  - **मध्य प्रदेश में बाणसागर बाँध**
  - **उत्तर प्रदेश में पिपरी** के पास रिहंद नदी पर रिहंद बाँध
  - **बिहार में इंद्रपुरी बैराज;** यह सिंचाई हेतु सोन नदी के जल को सोन नहर प्रणाली में प्रवाहित करता है।

- बिहार में वर्ष 1862 में निर्मित **कोईलवर पुल; यह भारत के सबसे पुराने नदी पुल के रूप में कार्य करता है, जो आरा को पटना से जोड़ता है।**

स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/son-river-1